सम-सीमांत उपयोगिता नियम व्याख्या

सम-सीमांत उपयोगिता नियम को उदाहरण द्वारा स्पष्ट कर सकते हैं। मान लेते हैं कि किसी उपभोक्ता के पास 5 रुपये हैं। जिन्हें वह A तथा B वस्तु पर खर्च कर रहा है। यहाँ यह मान लिया गया है कि वस्तु की कीमत अपरिवर्तित है तो उपभोक्ता अपनी पूरी आय इन दो वस्तुओं की खरीद पर इस प्रकार से खर्च करेगा कि इनपर किये गये व्यय की अंतिम इकाई से उसे समान संतुष्टि प्राप्त हो। जब यह स्थिति बनेगी तभी उपभोक्ता को अधिकतम संतुष्टि की प्राप्ति होगी। इसे नीचे की तालिका में दर्शाया गया है।

	प्राप्त उपयोगिता	
रुपये की इकाइयाँ	वस्तु A	वस्तु B
1	10	8
2	9	7
3	7	5
4	6	3
5	4	2
	कुल 36	25

इस तालिका में यह दिखाया गया है कि यदि उपभोक्ता अपनी दूसरी आय A तथा B वस्तु पर खर्च करता है तो उसे प्राप्त होनेवाली उपयोगिता क्रमशः घटती जाती है मान लें की उपभोक्ता अपनी पूरी आय यदि वस्तु A पर खर्च करे तो उसे कुल 36 के बराबर उपयोगिता प्राप्त होगी। यदि वह अपनी पूरी आय वस्तु B पर खर्च करे तो उसे कुल 25 के बराबर उपयोगिता मिलेगी सबसे पहले उपभोक्ता अपनी आय की इकाई उस वस्तु पर खर्च करेगा जिससे उसे अधिक उपयोगिता मिलती है बाद की इकाइयाँ भी उपभोक्ता की माँग का उपयोगिता सिद्धांत - मार्शल

दृष्टिकोण एवं उदासीनता वक्र दृष्टिकोण

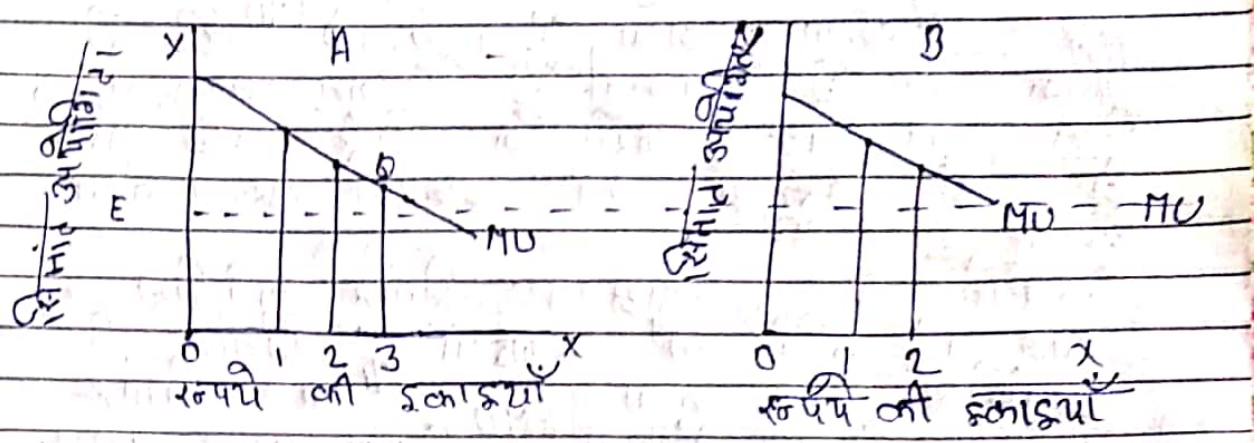

वह इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर खर्च करेगा इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर वह मुद्रा की पहली एवं दूसरी इकाइयाँ वस्तु A पर तीसरी इकाई वस्तु B पर चौथी एवं पाँचवी A एवं B पर खर्च करेगा। ऐसा करने पर उसे दोनों वस्तुओं की अंतिम इकाई (A की तीसरी एवं B की दूसरी) से उपलब्ध होनेवाली उपयोगिता समान है जिसके कारण उपभोक्ता को कुल उपयोगिता प्राप्त हो रही है जो अधिकतम है 10+9+8+7+7=41 इस तरह उपभोक्ता जब अपनी आय सम - सीमांत उपयोगिता नियम का सहारा लेकर खर्च करता है जिस के कारण तब उसे अधिकतम संतुष्टि की प्राप्ति होती है उपभोक्ता एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु का प्रयोग करता है या प्रतिस्थापन की प्रक्रिया जारी रखता है जब तक सभी वस्तुओं के अंतिम व्यय से समान संतुष्टि हासिल न होने लगे

सम सीमांत उपयोगिता नियम की जो व्याख्या हम लोगों ने एक तालिका के सहारे की है उसे एक रेखाचित्र द्वारा भी दर्शाया जा सकता है उपभोक्ता के पास 5 रुपये है तथा वह A तथा B दो वस्तुओं पर

खर्च कर रहा है। दोनों वस्तुओं से प्राप्त होनेवाली सिमांत उपयोगिता को रेखा द्वारा दिखाया गया है। वस्तुएँ दो से अधिक भी हो सकती है लेकिन सरलतापूर्वक नियम को स्पष्ट करने के लिये यहाँ मात्र दो ही वस्तुओं का उदाहरण प्रस्तुत किया गया है।

रेखाचित्र में OY अक्ष पर सिमांत उपयोगिता अक्ष पर रुपये की इकाइयाँ OX सिमांत उपयोगिता रेखा तथा $MU_{सम}$ — सिमांत उपयोगिता रेखा है EMU रेखा यह स्पष्ट करती है की जब EMU उपयोगता रुपये वस्तु A पर तथा रुपये वस्तु B पर 3 खर्च करता है तब 2 दोनों वस्तुओं से मिलनेवाली सिमांत उपयोगिता बराबर है तथा इस स्थिति में उपयोगिता को अधिकतम संतुष्टि की प्राप्ति होती है। इन दोनों चित्रों में बिन्दु सिमांत उपयोगिता की समानता का बिन्दु है जो अधिकतम संतुष्टि की स्थिति का द्योतक है। इस तरह सम-सिमांत उपयोगिता नियम यह स्पष्ट करता है की उपभोक्ता अधिकतम संतुष्टि प्राप्त करने वाली दिशा अपनी कुल आय इस प्रकार खर्च करता है की विभिन्न वस्तुओं पर खर्च की गई मुद्रा की अंतिम इकाई से उसे समान संतुष्टि प्राप्त हो सके ऐसी दशा में ही उसे अधिकतम संतुष्टि की प्राप्ति होती है।